विश्वविद्यालय अनुदान आयोग
नेट–ब्यूरो

कोड नं : 11

विषय : रक्षा और स्त्रातेजिक अध्ययन

पाठ्यक्रम

इकाई–1

सिद्धान्त तथा अवधारणाएँ

1. रक्षा और स्त्रातेजिक अध्ययन : पूर्वधारणाएँ एवं उपागम।
2. राष्ट्र की अवधारणाः
   - राज्य और राष्ट्र-राज्य, राज्य के सिद्धान्त और तत्त्व।
   - राष्ट्रीय शक्ति और इसके घटक।
3. राष्ट्रीय सुरक्षा की प्रमुख अवधारणाएं : राष्ट्रीय सुरक्षा की परिभाषा, राष्ट्रीय रक्षा और राष्ट्रीय हित, राष्ट्रीय चरित्र और बीसवीं शताब्दी और उसके पश्चात् राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा का क्रमानुगत विकास।
4. महा शक्तिशाली, मध्य शक्तिशाली तथा अल्प शक्तिशाली देशों की राष्ट्रीय सुरक्षा सम्बन्धी चिन्ताएँ।
5. राष्ट्रीय सुरक्षा संरचनाएं : सशस्त्र सैन्य बल, गुप्तचर एजेंसियां, पुलिस बल, निर्णयन सक्षम संरचनाएं इत्यादि।
6. राष्ट्रीय सुरक्षा परिवेश : आन्तरिक तथा बाह्य।
7. रक्षा, विदेश, सुरक्षा एवं गृह नीतियाँ; अवधारणा निरूपण, उद्देश्य तथा संयोजन।
8. सैन्य गठबन्धन और समझौते, शान्ति संधियाँ, रक्षा सहयोग, स्त्रातजिक भागीदारी और सुरक्षा संवाद।
9. गुटनिरपेक्षता, शक्ति सन्तुलन, सामूहिक सुरक्षा तथा 'आतंक–संतुलन' : अवधारणा, विकास तथा प्रासंगिकता।
10. भयादोहन तथा तनाव–शैथिल्य : अवधारणा और समकालीन प्रासंगिकता।

इकाई–2
स्त्रातजिक विचार

1. सुन–त्जु का योगदान।
2. कौटिल्य।
3. मैक्यावली।
4. जोमिनी।
5. कार्ल–वॉन क्लाजविट्ज।
6. जनरल गाइलो डूहेट।
7. डब्ल्यू मिचेल।
8. जे.एफ.सी. फूलर।
9. कैप्टन बी.एच. लिडिलहार्ट।
10. मार्क्स, लेनिन, माओ–त्से–तुंग और चे–ग्वेरा।
11. परमाणु भयादोहन : आईब्यूफ्रे, हेनरी किसिंजर और के. सुब्रमण्यम्।
12. शान्ति, सुरक्षा और विकास पर गांधी और नेहरू के विचार।

इकाई–3
युद्ध : अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में युद्ध एक निमित्त (साधन) के रूप में

1. युद्ध की परिकल्पना और कारण।
2. युद्ध के सिद्धान्त।
3. समसामयिक युद्धकर्म : परमाणु युग में परंपरागत युद्धकर्म, सीमित युद्ध, क्रान्तिकारी युद्धकर्म, निम्न तीव्रता संघर्ष, गुरिल्ला युद्धकर्म, विप्लव और प्रतिविप्लव।
4. शस्त्रीकरण, हथियारों की होड़, शस्त्र सहायता, शस्त्र व्यापार, शस्त्रों का प्रसार, लघु–शस्त्रों का प्रसार।
5. सैन्य गठबन्धन और समझौते, शान्ति संधियां, रक्षा सहयोग, स्त्रातेजिक सहभागिता और सुरक्षा संवाद।
6. आतंकवाद : अवधारणा एवं प्रकार (राष्ट्रीय, अन्तर्राष्ट्रीय तथा सीमा–पार)।
7. परस्पर विरोधी विचारधाराएँ : सैन्यवाद, राष्ट्रवाद, कट्टरतावाद, अलगाववाद, समुद्धरणवाद।
8. भयादोहन के तत्व एवं सिद्धान्त : परमाणु एवं परम्परागत।
9. वैश्विक परमाणु सिद्धान्त का विकास।
10. लोकतान्त्रिक शान्ति सिद्धान्त।

इकाई–4
डब्ल्यू.एम.डी., परमाणु प्रसार और राष्ट्रीय सुरक्षा

1. मूल अवधारणाएं एवं सिद्धान्त
   - I. निःशस्त्रीकरण और शस्त्र नियन्त्रण की अवधारणा
   - II. निःशस्त्रीकरण के उद्देश्य और शर्तें
   - III. शस्त्र नियन्त्रण तंत्र के तत्त्व : समझौते, अभिपुष्टि, निरीक्षण, नियन्त्रण
   - IV. निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण के प्रति अवधारणा (Approaches)
   - V. उपागम (निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियन्त्रण के उपागम)
2. निःशस्त्रीकरण के प्रयासों का ऐतिहासिक सर्वेक्षण
   - I. राष्ट्रसंघ के अन्तर्गत
   - II. संयुक्त राष्ट्र के अन्तर्गत
   - III. एकपक्षीय, द्विपक्षीय तथा बहुपक्षीय उपागम
   - IV. निःशस्त्रीकरण वार्ताओं में गुटनिरपेक्ष राज्यों की भूमिका
3. जन संहारक शस्त्र : परमाणु, रासायनिक तथा जैविक शस्त्र।
4. परमाणु शस्त्र परिसीमन, परमाणु शस्त्र नियंत्रण संधियाँ।
5. रासायनिक शस्त्र सम्मेलन और जैविक शस्त्र सम्मेलन।
6. अप्रसार की अवधारणा, एन.पी.टी., सी.टी.बी.टी., पी.टी.बी.टी., एम.टी.सी.आर., एफ.एम.सी.टी. तथा अन्य संधियाँ।
7. परमाणु निर्यात नियंत्रण प्रणाली।
8. नई चुनौतियाँ तथा उन पर प्रतिक्रियाएँ – प्रक्षेपास्त्र रक्षा, खतरे का सहयोगात्मक निम्नीकरण तथा जी–7–वैश्विक भागीदारी।
9. निःशस्त्रीकरण एवं शस्त्र नियंत्रण तथा आर्थिक विकास।
10. आतंकवाद तथा परमाणु प्रसार।
11. स्टार वार और एन.एम.डी. की अवधारणा

इकाई–5
वैश्विक सुरक्षा चिंताएँ

1. शीत युद्ध का समापन और नवीन विश्व–व्यवस्था का प्रादुर्भाव।
2. सैन्य, आण्विक तथा मिसाइल सक्षमताओं का विस्तार।
3. पर्यावरणीय मुद्दे : जलवायु परिवर्तन और वैश्विक उष्णता, मरुस्थलीकरण, अम्लीय वर्षा, औद्योगिक प्रदूषण, निर्वनीकरण।
4. संगठित अपराध, मनी लॉडंरिंग, नशीले पदार्थों की तस्करी, मानव–तस्करी तथा लघु शस्त्रों का प्रसार।
5. प्रवासी और शरणार्थी : (a) कारण (b) अवैध प्रवास एवं सीमा–प्रबंध (c) दक्षिण एशिया में समस्या (d) शरणार्थियों के लिए रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति तथा यू.एन. उच्चायोग की भूमिका।
6. वैश्विक सुरक्षा चिंताएँ : फिलिस्तीनी और इराकी संघर्ष तथा 'अरब स्प्रिंग', सेंट्रल एशियन रिपब्लिक्स (सी.ए.आर्स.) में विकास, कट्टरवाद का उदय, कोरियाई प्रायद्वीप में चुनौतियाँ, ताइवान तथा दक्षिण चीन के सागर में शक्ति प्रतिद्वंद्विता।
7. अभिशासन प्रणाली तथा मानवाधिकार की समस्याएँ।
8. आधुनिक युग में खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा सुरक्षा और जल सुरक्षा की समस्याएँ।
9. सहस्राब्दि विकास लक्ष्य।

इकाई–6
समकालीन अन्तर्राष्ट्रीय परिदृश्य में भारत की सुरक्षा सम्बन्धी चिन्ताएँ एवं नीतियाँ

1. भारत–चीन सम्बन्धों की शुरुआत।
2. सीमा विवाद, चीन–पाकिस्तान अभिबन्ध, ओ.बी.ओ.आर. और सी.पी.ई.सी., चीन और भारत–सैन्य सन्तुलन, दक्षिणी एशिया के प्रति चीन की नीति।
3. भारत और चीन का उत्थान : सहयोग और स्पर्धा, हिंद महासागर और दक्षिणी चीन सागर में चीन के हित।
4. भारत–पाकिस्तान सम्बन्ध के स्त्रातेजिक आयाम : भारत–पाकिस्तान संघर्ष की शुरुआत, भारत–पाक सैन्य सन्तुलन, कश्मीर का प्रश्न, पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद, पाकिस्तान की परमाणु स्त्रातेजी, पाकिस्तान की शक्ति–संरचना।

   विवादास्पद मुद्दे : सियाचिन, सर क्रीक, नदी जल विवाद इत्यादि।
5. भारत और दक्षिण एशियाः क्षेत्रीय सहयोग के मुद्दे और चुनौतियाँ।
6. स्वतन्त्रता प्राप्ति से लेकर अब तक भारत की रक्षा नीति का निर्माण :
   (a) खतरे का ज्ञान, मूल्यांकन और तैयारी।
   (b) 1948, 1962, 1965, 1971, 1999 के युद्धों से प्राप्त राजनीतिक एवं सैन्य शिक्षाएँ।
   (a) भावी प्रवृतियाँ।
7. भारत की 'लुक ईस्ट' एवं 'एक्ट ईस्ट' नीतियाँ, भारत–प्रशान्त सहयोग, स्त्रातेजिक भागीदारियाँ।
8. 21वीं शताब्दी में भारत की सामुद्रिक सुरक्षा और स्त्रातेजी : (a) हिन्द महासागर, (b) एशिया–प्रशान्त क्षेत्र, (c) समुद्री मार्गों की सुरक्षा, (d) 21वीं शताब्दी के लिए भारत की सामुद्रिक सुरक्षा स्त्रातेजी।
9. भारत के रक्षा संबंधी सिद्धान्त और रणनीतियाँ (परमाणु सिद्धान्त सहित)।
10. भारत का उच्च रक्षा संगठन।

इकाई–7
संघर्ष–समाधान संबंधी मुद्दे

1. संघर्ष का आरंभ, प्रकार तथा संरचना।
2. विचारधाराएँ और अन्तर्राष्ट्रीय संघर्ष।
3. संघर्ष–प्रबन्धन में संयुक्त राष्ट्र की भूमिका और यू.एन.ओ. की पुनर्संरचना।
4. संघर्ष निवारण की तकनीकें।
5. संघर्ष–प्रबन्धन : अन्तर्राष्ट्रीय विवादों का शान्तिपूर्ण समाधान, बाह्यकारी उपाय।
6. अन्तर्राष्ट्रीय मानवीय विधि और सशस्त्र संघर्ष की विधि।
7. विश्वासोत्पादक उपाय : अवधारणा, प्रकार और उपयोगिता।
8. संघर्ष–समाधान में आई.जी.ओ. और एन.जी.ओ. की भूमिका : शांति स्थापना, शांति बनाये रखना तथा शांति निर्माण।
9. शान्ति और अहिंसा पर गांधीवादी दर्शन।
10. राष्ट्रीय सुरक्षा तथा सहयोग के प्रति नेहरूवादी दृष्टिकोण।

इकाई–8
आपदा प्रबन्धन और राष्ट्रीय सुरक्षा

1. आपदा की मूल अवधारणा एवं अर्थ, आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ी शब्दावली का परिचय : प्राकृतिक एवं मानव–निर्मित, भेद्यता, जोखिम इत्यादि;, विभिन्न प्रकार के आपदाओं की पहचान।
2. प्राकृतिक आपदाएँ और मानव प्रेरित आपदा : बाढ़, चक्रवात, भूकम्प, सुनामी, डब्ल्यू.एम.डी. आपदा, विभिन्न उद्योगों से सम्बन्धित आपदा।
3. आपदा का अध्ययन : भारत/पूरे विश्व में : केस अध्ययनः सुनामी 2004, भोपाल गैस त्रासदी, चेरनोबिल, फुकुशीमा, उत्तराखंड इत्यादि।
4. आपदा प्रबन्धन : अर्थ, आपदा शमन, अनुक्रिया, आपदा बहाली, राहत और पुनर्निर्माण जैसी अवधारणाओं से आपदा प्रबन्धन का सम्बन्ध और अन्तर।
5. भारत में आपदा प्रबन्धन हेतु संस्थागत तंत्रः सशस्त्र सेनाएँ, केन्द्र तथा राज्य सरकारें, एन.जी.ओ., राष्ट्रीय आपदा प्रबन्धन प्राधिकरण, भारतीय राष्ट्रीय महासागर सूचना सेवा केन्द्र की भूमिका।

इकाई–9
रक्षा अर्थशास्त्र

1. रक्षा के आर्थिक सिद्धान्त।
2. सतत विकास : चुनौतियाँ और अनुक्रिया।
3. रक्षा योजना की आधारभूत बातें, रक्षा व्यय के निर्धारक तत्त्व।
4. रक्षा बजट।
5. युद्ध के आर्थिक कारण।
6. आधुनिक समय में आर्थिक युद्धकर्म।
7. युद्धोपरान्त पुननिर्माण की आर्थिक समस्याएँ।
8. राष्ट्रीय सुरक्षा तथा अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार व्यवस्था (डब्ल्यू.टी.ओ., ट्रिप्स, ट्रिम्स, एफ.टी.ए., नाफ्टा, साप्टा और एन.एस.जी.)।
9. क्षेत्रीय तथा वैश्विक आर्थिक मंचों और संगठनों में भारत की भूमिका।
10. वैश्विक/क्षेत्रीय आर्थिक स्थायित्व के लिए भू–आर्थिकी एवं इसका निहितार्थ।

इकाई–10
विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा राष्ट्रीय सुरक्षा

1. औद्योगिक क्रान्ति से सूचना क्रान्ति तक प्रौद्योगिकीय परिवर्तनों का व्यापक सर्वेक्षण।
2. भारत का असैनिक परमाणु और अंतरिक्ष कार्यक्रम, भारत का ऊर्जा परिदृश्य।
3. शोध एवं विकास :
   - राष्ट्रीय सुरक्षा में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रासंगिकता।
   - सूचना प्रौद्योगिकी का प्रभाव, सैन्य मामलों में क्रान्ति (आर.एम.ए.)
   - शस्त्र प्रणालियों का चुनाव
4. आर्थिक उदारीकरण तथा वैश्वीकरण का प्रभाव
   - भारत में रक्षा उत्पादन (डी.पी.एस.यू. तथा आयुध कारखानों का योगदान)
   - रक्षा और विकास तथा शान्ति एवं विकास का द्विभाजन
5. युद्ध और संसाधनों की लामबंदी।
6. सैन्य औद्योगिक परिसर।
7. प्रौद्योगिकी हस्तांतरण : दोहरे उपयोग वाली और महत्त्वपूर्ण प्रौद्योगिकियाँ तथा राष्ट्रीय सुरक्षा पर उनका प्रभाव।
8. क्षेत्रीय तथा वैश्विक स्तर पर अन्तरनिर्भरता और सहयोग।
9. साइबर सुरक्षा : सूचना प्रौद्योगिकी तथा इंटरनेट की भेद्यता, साइबर सुरक्षा की आवश्यकता और महत्त्व, विभिन्न प्रकार की साइबर सुरक्षा भेद्यताएँ, प्रचार सहित साइबर युद्ध, साइबर सुरक्षा के उपाय : प्रौद्योगिकी उपाय, कानून और विनियमन, साइबर सुरक्षा में वैश्विक मुद्दे।
10. सोशल मीडिया और राष्ट्रीय सुरक्षा पर इसका प्रभाव : प्रचार एवं गलत सूचना देकर राजी करने हेतु तीव्र गति के साथ वैश्विक पहुँच, अफवाह संवर्ग भर्ती एवं लोकमत जुटाने हेतु सोशल नेटवर्किंग साइट्स का प्रयोग।